POCKET BOOKLET · पॉकेट पुस्तिका

ॐ

दैनिक श्लोक

Daily Shlokas

Prayers from waking to sleep



thehindubook.com

दैनिक श्लोक

Daily Shlokas

KARAGRE VASATE LAKSHMI · ON WAKING UP, LOOKING AT THE PALMS

कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती ।

करमूले तु गोविन्दः प्रभाते करदर्शनम् ॥

हाथ के अग्र भाग (उँगलियों के सिरे) में लक्ष्मी का वास है, हथेली के मध्य में सरस्वती का और हाथ के मूल (कलाई के पास) में भगवान गोविन्द का। इसलिए प्रातःकाल उठते ही अपने हाथों का दर्शन करना चाहिए।

At the tip of the hand dwells Lakshmi, in the middle of the palm dwells Saraswati, and at the base of the hand dwells Govinda. Therefore, one should look at one's hands at daybreak.

SAMUDRA VASANE DEVI · BEFORE STEPPING ON THE EARTH IN THE MORNING

समुद्रवसने देवि पर्वतस्तनमण्डले ।

विष्णुपत्नि नमस्तुभ्यं पादस्पर्शं क्षमस्व मे ॥

हे देवी पृथ्वी! समुद्र आपके वस्त्र हैं और पर्वत आपके वक्षस्थल के समान हैं। हे भगवान विष्णु की पत्नी, आपको नमस्कार है। मेरे पैरों के स्पर्श के लिए मुझे क्षमा करें।

O Goddess, whose garment is the ocean and whose bosom is the mountains, O consort of Vishnu, I bow to you. Please forgive me for touching you with my feet.

GANGE CHA YAMUNE CHAIVA · WHILE BATHING (SNANA MANTRA)

गङ्गे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति ।

नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन् सन्निधिं कुरु ॥

हे गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिन्धु और कावेरी! आप सब इस जल में उपस्थित हों। इस प्रार्थना से साधारण जल भी पवित्र नदियों के जल के समान पावन माना जाता है।

O Ganga, Yamuna, Godavari, Saraswati, Narmada, Sindhu and Kaveri, please be present in this water. With this prayer, ordinary water is regarded as holy as the waters of the sacred rivers.

JAPAKUSUMA SANKASHAM · AT SUNRISE, WHILE OFFERING ARGHYA TO THE SUN

जपाकुसुमसङ्काशं काश्यपेयं महाद्युतिम् ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम् ॥

जो जपा (गुड़हल) के फूल के समान लाल आभा वाले हैं, महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, अत्यन्त तेजस्वी हैं, अन्धकार के शत्रु हैं और सब पापों का नाश करने वाले हैं, उन दिन के कर्ता भगवान सूर्य को मैं प्रणाम करता हूँ।

I bow to Divakara, the maker of the day, who glows like the red hibiscus flower, who is the son of Sage Kashyapa, of great brilliance, the enemy of darkness and the destroyer of all sins.

VAKRATUNDA MAHAKAYA · BEFORE BEGINNING ANY WORK

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटिसमप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

हे टेढ़ी सूँड वाले, विशाल शरीर वाले, करोड़ों सूर्यों के समान तेज वाले भगवान गणेश! हे देव, मेरे सभी कार्यों को सदा बिना किसी विघ्न के पूरा करें।

O Lord with the curved trunk and mighty body, whose brilliance equals that of millions of suns, O God, please make all my undertakings free of obstacles, always.

SARASWATI NAMASTUBHYAM · BEFORE STUDY OR LEARNING

सरस्वति नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिणि ।
विद्यारम्भं करिष्यामि सिद्धिर्भवतु मे सदा ॥

हे वर देने वाली, इच्छानुसार रूप धारण करने वाली माँ सरस्वती, आपको नमस्कार है। मैं विद्या का आरम्भ करने जा रहा हूँ; मुझे इसमें सदा सफलता प्राप्त हो।

O Saraswati, giver of boons, who takes any form at will, salutations to you. I am about to begin my studies; may I always attain success in them.

GURUR BRAHMA GURUR VISHNU · GURU VANDANA, HONOURING THE TEACHER

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।

गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः ॥

गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं और गुरु ही भगवान महेश्वर (शिव) हैं। गुरु साक्षात् परब्रह्म हैं; ऐसे श्री गुरु को मेरा नमस्कार है।

The Guru is Brahma, the Guru is Vishnu, the Guru is Lord Maheshwara (Shiva). The Guru is verily the Supreme Brahman itself; salutations to that revered Guru.

ASATO MA SADGAMAYA · PRAYER FOR TRUTH, LIGHT AND IMMORTALITY

ॐ असतो मा सद्गमय ।

तमसो मा ज्योतिर्गमय ।

मृत्योर्मा अमृतं गमय ।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

हे प्रभु, मुझे असत्य से सत्य की ओर ले चलो। मुझे अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो। मुझे मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। ॐ शान्ति, शान्ति, शान्ति।

Lead me from the unreal to the real. Lead me from darkness to light. Lead me from death to immortality. Om, peace, peace, peace.

SARVE BHAVANTU SUKHINAH · UNIVERSAL PRAYER FOR THE WELFARE OF ALL

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत् ॥

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

सभी सुखी हों, सभी रोगमुक्त रहें। सभी का जीवन मंगलमय हो और सब शुभ देखें, किसी को भी दुःख का भागी न बनना पड़े। ॐ शान्ति, शान्ति, शान्ति।

May all be happy, may all be free from illness. May all see what is auspicious, and may no one have to share in suffering. Om, peace, peace, peace.

TVAMEVA MATA CHA PITA TVAMEVA · PRAYER OF COMPLETE SURRENDER TO GOD

त्वमेव माता च पिता त्वमेव

त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव ।

त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव

त्वमेव सर्वं मम देव देव ॥

हे प्रभु! आप ही मेरी माता हैं और आप ही पिता हैं। आप ही मेरे बन्धु हैं और आप ही सखा हैं। आप ही मेरी विद्या हैं और आप ही मेरा धन हैं। हे देवों के देव, आप ही मेरे सब कुछ हैं।

You alone are my mother and you alone are my father. You alone are my kin and you alone are my friend. You alone are my knowledge and you alone are my wealth. O God of gods, you alone are my everything.

SHUBHAM KAROTI KALYANAM · WHILE LIGHTING THE EVENING LAMP (SANDHYA DEEPA)

शुभं करोति कल्याणम् आरोग्यं धनसम्पदा ।

शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते ॥

जो दीपक की ज्योति शुभ और कल्याण करती है, आरोग्य तथा धन-सम्पदा प्रदान करती है, और शत्रु-बुद्धि (मन के बैर-भाव) का नाश करती है, उस दीप-ज्योति को मेरा नमस्कार है।

Salutations to you, O light of the lamp, who brings auspiciousness, well-being, good health and the abundance of wealth, and who destroys hostile thinking.

DEEPA JYOTI PARABRAHMA · DEEPA NAMASKARA, SALUTING THE LIT LAMP

दीपज्योतिः परब्रह्म दीपज्योतिर्जनार्दनः ।

दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते ॥

दीपक की ज्योति परब्रह्म है, दीपक की ज्योति ही जनार्दन (भगवान विष्णु) है। यह दीपक मेरे पापों को दूर करे। हे दीप-ज्योति, आपको नमस्कार है।

The light of the lamp is the Supreme Brahman; the light of the lamp is Janardana. May the lamp remove my sins. O light of the lamp, salutations to you.

KARA CHARANA KRITAM VA · BEFORE SLEEP, ASKING FORGIVENESS FOR THE DAY'S MISTAKES

करचरणकृतं वाक्कायजं कर्मजं वा
श्रवणनयनजं वा मानसं वापराधम् ।
विहितमविहितं वा सर्वमेतत्क्षमस्व
जय जय करुणाब्धे श्रीमहादेव शम्भो ॥

हाथों या पैरों से किए गए, वाणी या शरीर से उत्पन्न, कर्मों से हुए, कानों या आँखों से हुए, अथवा मन से किए गए जो भी अपराध हैं, चाहे वे विहित (जानकर) हों या अविहित (अनजाने में), उन सबको क्षमा करें। हे करुणा के सागर, श्री महादेव शम्भो, आपकी जय हो, जय हो।

Whatever wrong I have done with my hands or feet, through speech or body, through my actions, through my ears or eyes, or in my mind, whether prescribed or not prescribed, knowingly or unknowingly, please forgive all of it. Victory, victory to you, O ocean of compassion, Shri Mahadeva, Shambho.

Read, listen and share

The full text with transliteration, meaning and notes is free at thehindubook.com — scan to open it on your phone.

thehindubook.com/daily-shlokas

Daily Subhashit on WhatsApp

For shakha, family and personal use. Please print, copy and share freely — not for sale.

The Sanskrit texts are in the public domain. Meanings and notes © The Hindu Book, shared for free non-commercial use. Printed from thehindubook.com.